भारत सरकार

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

(खेल विभाग)

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3146

उत्तर देने की तारीख 8 अगस्त, 2023

17 श्रावण, 1945 (शक)

एसएआई के क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र

3146. श्री दुलाल चन्द्र गोस्वामी:

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) उन स्थानों का विवरण और नाम क्या हैं जहां भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र स्थित हैं, तथा उनके कार्यों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार के पास आने वाले वर्षों के दौरान देश में ऐसे और केंद्र स्थापित करने का कोई प्रस्ताव है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और राज्य-वार नए केंद्र कब तक स्थापित होने की संभावना है;

(घ) उन उद्देश्यों के लिए, विशेष रूप से बिहार राज्य में, राज्य- वार पहचाने गए स्थानों का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) देश में एथलीटों के लिए सुविधाओं में सुधार के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री

(श्री अनुराग सिंह ठाकुर)

(क) भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने देश के विभिन्न भागों में 10 क्षेत्रीय केंद्र और 02 संस्थागत इकाइयां स्थापित की हैं। इन साई क्षेत्रीय केंद्रों का विवरण अनुबंध-I में दिया गया है। इन केंद्रों के कार्य इस प्रकार हैं-

* साई और भारत सरकार की खेलों को बढ़ावा देने वाली स्कीमों का कार्यान्वयन और निगरानी।
* कोचिंग शिविरों का आयोजन करना और राष्ट्रीय टीमों को अपेक्षित अत्याधुनिक अवसंरचना, उपकरण, कोचिंग सुविधाएं और प्रतियोगिता एक्सपोजर, चयनित प्रशिक्षुओं के लिए भोजन और आवास, वैज्ञानिक प्रशिक्षण/उपकरण सहायता प्रदान कर अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में सहभागिता के लिए सहायता प्रदान करना।

* खेलों में उच्च स्तरीय प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों को वैज्ञानिक सहायता प्रदान करना।
* क्षेत्र में खेल अवसंरचना और सुविधाओं की योजना, निर्माण, अधिग्रहण, विकास, प्रबंधन, और रखरखाव ।
* अन्य संगठनों/खेल निकायों, राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन के साथ समन्वय करना तथा युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय और संबंधित राज्य सरकारों के बीच एक समन्वयकर्ता के रूप में कार्य करना।
* एनएसएनआईएस पटियाला में साई और एलएनसीपीई तिरुवनंतपुरम के शैक्षिक विंग के सहयोग से कोचिंग/शारीरिक शिक्षा में प्रमाण पत्र, कौशल विकास, डिप्लोमा, स्नातक और पीजी स्तर के पाठ्यक्रम संचालित करना।

(ख) से (घ): 'खेल' राज्य का विषय होने के कारण, खेल प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना सहित खेलों को बढ़ावा देने और विकास की जिम्मेदारी मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकारों की होती है। केंद्र सरकार अपनी विभिन्न स्कीमों के साथ-साथ भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) द्वारा संचालित खेल संवर्धन स्कीमों के माध्यम से उनके प्रयासों की पूर्ति करती है। सुविधाओं/साई केंद्रों के निर्माण के संबंध में निर्णय विभिन्न कारकों, जैसे राज्य सरकारों से प्राप्त उपयुक्त प्रस्ताव, धन की उपलब्धता, स्थानीय मांग आदि पर निर्भर करता है। इसके अतिरिक्त, साई के पुनर्गठन अभ्यास के एक भाग के रूप में, साई ने अपनी मौजूदा खेल संवर्धन स्कीमों की समीक्षा की है। उपलब्ध खेल अवसंचना और वित्तीय बाधाओं को ध्यान में रखते हुए, उत्कृष्टता प्राप्त करने की दृष्टि से मुख्य रूप से मौजूदा केंद्रों पर ध्यान केंद्रित करने का निर्णय लिया गया है।

(ड.) भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) विभिन्न आयु समूहों में प्रतिभावान खिलाड़ियों की पहचान करने और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करने हेतु देश भर में निम्नलिखित खेल संवर्धन स्कीमें कार्यान्वित करता है:

• राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई)
• साई प्रशिक्षण केंद्र (एसटीसी)
• एसटीसी के विस्तार केंद्र
* राष्ट्रीय खेल प्रतिभा प्रतियोगिता (एनएसटीसी)

इन स्कीमों के कार्यान्वयन के लिए देश में एनसीओई, एसटीसी, विस्तार केंद्र इत्यादि सहित देश में 187 केंद्र कार्यरत हैं। वर्तमान में, आवासीय और गैर-आवासीय आधार पर 7780 प्रतिभावान खिलाड़ियों (4688 लड़के और 3092 लड़कियां) को 34 खेल विधाओं में प्रशिक्षित किया जा रहा है। साई खेल संवर्धन स्कीमों के तहत अभिज्ञात खिलाड़ी देश के ग्रामीण, पिछड़े और जनजातीय क्षेत्र सहित समाज के सभी वर्गों से आते हैं।

इसके अतिरिक्त सरकार ने व्यापक जन सहभागिता तथा खेलों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के युग्मित उद्देश्यों सहित खेलो इंडिया कार्यक्रम की शुरुआत की है। खेलों को बढ़ावा देने और देश भर में स्टेडियमों, खेल के मैदान, ट्रैक तथा खेल प्रशिक्षण केंद्रों सहित खेलों के स्तर और अवसंरचना सुविधाओं में सुधार करने के लिए इस स्कीम के तहत विभिन्न कार्यक्रम शुरू किए हैं।

इस स्कीम के तहत 31 खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र और 960 खेलो इंडिया केंद्रों को सहायता प्रदान की जा रही है। इस स्कीम के तहत 267 अकादमियों को मान्यता प्रदान की गई है। 21 खेल विधाओं (पैरा खेलों सहित) में खेलो इंडिया एथलीट (केआईए) के रूप में 2510 एथलीटों की पहचान की गई है। उन्हें प्रति वर्ष 6,28,400/- रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।

****

अनुबंध- I

''एसएआई के क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र'' के संबंध में श्री दुलाल चन्द्र गोस्वामी द्वारा दिनांक 08.08.2023 के लिए पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 3146 के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध

क्र.सं.	क्षेत्रीय केंद्र	कवर किए गए राज्य	एनसीओई	एसटीसी	विस्तार. केंद्र	पंजीकृत स्कूल	आईजीएमए	अखाड़े	कुल
1	**बैंगलोर**	आंध्र प्रदेश	0	3	0	0	0	0	**3**
2		कर्नाटक	1	3	0	0	0	0	**4**
3		तेलंगाना	0	1	0	0	0	0	**1**
		कुल:	**1**	**7**	**0**	**0**	**0**	**0**	**8**
4	**भोपाल**	मध्य प्रदेश	1	3	2	1	0	3	**10**
5		छत्तीसगढ	0	2	0	0	0	0	**2**
		कुल:	**1**	**5**	**2**	**1**	**0**	**3**	**12**
6	**चंडीगढ़**	हिमाचल प्रदेश	2	1	2	0	0	0	**5**
7		***जम्मू और कश्मीर (यूटी)***	0	1	1	0	0	0	**2**
8		***लद्दाख (यूटी)***	0	1	0	0	0	0	**1**
9		पंजाब	0	3	2	0	1	3	**9**
10		***चंडीगढ़ (यूटी)***	1	0	0	1	0	0	**2**
		कुल:	**3**	**6**	**5**	**1**	**1**	**3**	**19**
11	**गांधीनगर**	गुजरात	1	0	1	0	0	0	**2**
12		राजस्थान	0	3	7	2	0	8	**20**
		कुल:	**1**	**3**	**8**	**2**	**0**	**8**	**22**
13	**गुवाहाटी**	अरुणाचल प्रदेश	1	1	0	0	0	0	**2**
14		असम	1	4	4	1	1	1	**12**
15		मेघालय	0	1	0	0	0	0	**1**
16		सिक्किम	0	1	0	0	0	0	**1**
		कुल:	**2**	**7**	**4**	**1**	**1**	**1**	**16**
17	**इंफाल**	मणिपुर	1	2	1	1	2	0	**7**
18		मिजोरम	0	1	1	0	0	0	**2**
19		नगालैंड	0	1	0	0	0	0	**1**
		कुल:	**1**	**4**	**2**	**1**	**2**	**0**	**10**
20	**कोलकाता**	बिहार	0	3	0	0	0	0	**3**
21		झारखंड	0	2	1	0	1	0	**4**
22		ओडिशा	1	3	2	1	0	1	**8**
23		त्रिपुरा	0	1	0	1	0	0	**2**
24		पश्चिम बंगाल	1	4	2	0	0	0	**7**
25		***अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह (यूटी)***	0	2	0	0	0	0	**2**
		कुल:	**2**	**15**	**5**	**2**	**1**	**1**	**26**

26	**एलएनसीपीई,** तिरुवनंतपुरम	केरल	2	4	0	0	1	0	**7**
27		तमिलनाडु	0	3	0	0	2	0	**5**
28		***लक्षद्वीप (यूटी)***	0	1	0	0	0	0	**1**
29		***पुडुचेरी (यूटी)***	0	2	0	0	0	0	**2**
		कुल:	**2**	**10**	**0**	**0**	**3**	**0**	**15**
30	**लखनऊ**	उत्तर प्रदेश	1	4	1	1	0	7	**14**
31		उत्तराखंड	0	1	0	0	0	0	**1**
		कुल:	**1**	**5**	**1**	**1**	**0**	**7**	**15**
32	**मुंबई**	गोवा	0	2	0	0	0	0	**2**
33		महाराष्ट्र	2	0	0	0	1	14	**17**
		कुल:	**2**	**2**	**0**	**0**	**1**	**14**	**19**
34	**एनएसएनआईएस**	पंजाब	1	1	0	0	0	0	**2**
		कुल:	**1**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**2**
35	**सोनीपत**	हरियाणा	2	3	0	0	0	5	**10**
36		***दिल्ली (यूटी)***	4	1	0	0	0	8	**13**
		कुल:	**6**	**4**	**0**	**0**	**0**	**13**	**23**
		कुल योग:	**23**	**69**	**27**	**9**	**9**	**50**	**187**

*****